



कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)

पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2323773

Email- govtgirlspgcollege@gmail.com
College Code : 1602

Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
AISHE Code : C-21647



दुर्ग, दिनांक : 07 / 09 / 2025

ऑनलाईन डॉक्यूमेंट्री रिपोर्ट – छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ था। अपने गठन के बाद से राज्य ने 25 वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा पूरी की है। इस रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा 07 सितम्बर 2025 को एक ऑनलाईन डॉक्यूमेंट्री का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में हुआ उन्होंने अपने संदेश में कहा कि "आइए, हम सब मिलकर शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के स्तंभों के माध्यम से छत्तीसगढ़ को सशक्त बनाएँ और सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।" यह कार्यक्रम राज्य के गौरवशाली अतीत, प्रगतिशील वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य का दर्पण रहा।

डॉक्यूमेंट्री का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की विकास यात्रा को प्रस्तुत करना था, जिसमें राज्य की शैक्षणिक प्रगति, महिला सशक्तिकरण, कृषि, उद्योग, पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। डॉक्यूमेंट्री में बताया गया कि वर्ष 2000 में मात्र 5 विश्वविद्यालय और 242 महाविद्यालय थे, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 26 विश्वविद्यालय और 656 महाविद्यालय हो चुकी है। सकल नामांकन अनुपात (GER) 8% से बढ़कर 19.6% तक पहुँचा है। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि उच्च शिक्षा में 67% छात्राएँ हैं, जिससे छत्तीसगढ़ महिला शिक्षा में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है।

इस डॉक्यूमेंट्री में महिला सशक्तिकरण की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएँ जैसे पंथी, राउत नाचा, पंडवानी, बस्तर दशहरा तथा डोकरा, बांस और मिट्टी कला जैसे हस्तशिल्प भी इस प्रस्तुति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।

कृषि, उद्योग और पर्यटन के क्षेत्र में भी राज्य ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। छत्तीसगढ़ "धान का कटोरा" कहलाता है और यहाँ कृषि में आत्मनिर्भरता के लिए योजनाएँ चलाई जा रही हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र, BALCO और NTPC जैसे उद्योगों ने औद्योगिक पहचान बनाई है, वहीं चित्रकोट जलप्रपात, भोरमदेव मंदिर और कांगेर घाटी जैसे पर्यटन स्थल राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करते हैं।

इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को प्रस्तुत किया गया, बल्कि महाविद्यालय की उपलब्धियों और समाज में उसकी भूमिका को भी साझा किया गया।

यह कार्यक्रम डॉ. रेश्मा लाकेश और श्री जागृत ठाकुर ठाकुर के मार्गदर्शन में हुआ जिसमें महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा छात्राओं ने अधिक संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डॉ. रंजना श्रीवास्तव
प्राचार्य

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

